

CSIR in Media



A Daily News Bulletin
12th January 2017

Lab Covered: CSIR-CBRI

12th January 2017

औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. गिरीश साहनी सीबीआरआई में हुए कार्यक्रम में बोले गरीबों की दिक्कतें दूर करने के लिए हो शोध

कार्यक्रम

रुड़की | हमारे संवाददाता

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एवं सीएसआईआर के सचिव डॉ. गिरीश साहनी ने वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में पीछरोपण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. गिरीश साहनी ने कहा कि वैज्ञानिक सर्जनशीलता भले ही एक व्यक्ति की सोच का बीज हो, परंतु इसे भौतिक रूप देने के लिए विभिन्न असम्मानताओं वाले लोगों को मिलकर काम करना आवश्यक है। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री एवं सीएसआईआर के अध्यक्ष नरेंद्र मोदी से हुए अपने संवाद का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि पीएम ने सीएसआईआर की ओर से किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों की सराहना की है।

साथ ही उन्होंने देश के निचले तबके और गरीब वर्ग की समस्याओं का समाधान करने के लिए अनुसंधान कार्य एवं तकनीक विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने वैज्ञानिकों को



रुड़की में मंगलवार को सीएसआईआर के महानिदेशक एवं सीएसआईआर के सचिव डॉ. गिरीश साहनी ने सीबीआरआई का निरीक्षण किया। ● हिन्दुस्तान

संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की योजनाएं जैसे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, रिकल इंडिया में अपना योगदान दें।

संस्थान निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने डॉ. गिरीश साहनी का

स्वागत करते हुए कहा कि हमें निरंतर विकास कार्यों से अपने पैतृक संस्थान के महानिदेशक के हाथों को और मजबूत बनाना चाहिए। वैज्ञानिक यादवेंद्र पांडेय ने सभी का स्वागत किया। वहीं महानिदेशक डॉ. साहनी ने अग्नि शोध

प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इसमें अग्नि के वास्तविक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभाव के विषय पर अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए सीबीआरआई को डीएसटी से 4.44 करोड़ मिले हैं। परियोजना के

प्रमुख डॉ. राजीव कुमार होंगे। इस दौरान एक डिस्पले सेंटर में एक तकनीकी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस मौके पर डॉ. ऐके मिश्रा, डॉ. बीरेश, डॉ. आरएस चिगोटे, डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

Published in:

Hindustan , page 6

Lab Covered: CSIR-CBRI

12th January 2017

समस्याएं पहचान करें समाधान डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया में वैज्ञानिक करें योगदान

जागरण संवाददाता, रुड़की : वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. गिरीश साहनी ने मंगलवार को केंद्रीय भवन अनुसंधान परिषद रुड़की का भ्रमण और विभिन्न प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। साथ ही भवन अग्नि शोध प्रयोगशाला व डिस्प्ले सेंटर का भी उद्घाटन किया।

इस मौके पर डॉ. साहनी ने कहा कि वैज्ञानिक सर्जनशीलता भले ही एक व्यक्ति की सोच का बीज हो लेकिन उसे भौतिक रूप देने के लिए विभिन्न असमानताओं वाले लोगों को मिलकर काम करना आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया आदि योजनाओं में योगदान देने के लिए वैज्ञानिकों से अनुरोध किया। कहा कि वैज्ञानिक मंथन कर देश की आम जनता से जुड़ी 10-15 समस्याओं को पहचानें। इसके बाद अनुसंधान एवं विकास कार्यों से उसका समाधान निकालकर उन्हें उद्योग संस्थानों के साथ मिलकर जनता तक पहुंचाएं। संस्थान के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने कहा कि हमें निरंतर प्रयासों और विकास कार्यों से अपने पैतृक संस्थान के महानिदेशक के हाथों को और मजबूत बनाना चाहिए जिससे वे प्रधानमंत्री



केंद्रीय भवन अनुसंधान परिषद रुड़की में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते महानिदेशक डा. गिरीश साहनी • जागरण

को देश के प्रति सीएसआइआर और सीवीआरआइ के योगदान के बारे में गर्व से वता सकें। उन्होंने बताया कि भवन अग्नि शोध प्रयोगशाला में अग्नि के वास्तविक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों का अध्ययन किया जाएगा। इस परियोजना पर कार्य के लिए डीएसटी ने संस्थान को चार करोड़ 44 लाख का वजट दिया है। वहीं डिस्प्ले सेंटर में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में संस्थान की ओर से किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों को चार्ट

के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस दौरान चावल की भूसी से लकड़ी, कोटा स्टोन टाइल्स, सेल्फ हीलिंग कंक्रीट, अग्निरोधी दरवाजे आदि का जीवंत एवं मॉडल प्रदर्शन किया। इस दौरान संस्थान में पौधारोपण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया। इस मौके पर संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक यादवेंद्र पाण्डेय, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. एके मिनोचा, डॉ. वी सिंह, डॉ. आरएस चिमोटे, डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

Published in:

Dainik Jagran, Page 10

सीएसआईआर का निरीक्षण

महानिदेशक ने किया फायर लैब और डिस्पले सेंटर का उद्घाटन

Lab Covered: CSIR-CBRI

11th January 2017



सीबीआईआर में तकनीकी के बारे में जानकारी हासिल करते सीएसआईआर के महानिदेशक डा. गिरीश साहनी।

**अमर उजाला ब्यूरो
रुड़की।**

सीबीआईआर रुड़की में मंगलवार को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) नई दिल्ली के महानिदेशक डा. गिरीश साहनी ने संस्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित फायर लैब और डिस्पले सेंटर का उद्घाटन किया। डिस्पले रूम में संस्थान की ओर से निर्मित महत्वपूर्ण तकनीकियों को म्यूजियम का आकार दिया गया है। महानिदेशक ने संस्थान के इस प्रयास की सराहना की।

इस मौके पर उन्होंने वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि

वैज्ञानिक सर्जनशीलता भले ही एक व्यक्ति की सोच का बीज हो लेकिन उसे भौतिक रूप देने के लिए विभिन्न असमानताओं वाले लोगों को मिलकर काम करना आवश्यक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुए संवाद का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने निचले एवं गरीब तबके के विकास के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया है। जिसके बाद अब वैज्ञानिकों की जिम्मेदारी बनती है कि वह किस प्रकार देश के विकास के लिए लाई गई भारत सरकार की योजना में योगदान देंगे। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे देश की जनता से जुड़ी दस समस्याओं को पहचाने और अनुसंधान तथा विकास कार्यों से

उसका समाधान निकालकर जनता तक पहुंचाएं। इस मौके पर संस्थान निदेशक डा. एन गोपालकृष्णन ने वैज्ञानिकों ने नई सोच के साथ देश की तरक्की में योगदान का आह्वान किया। इस दौरान महानिदेशक ने संस्थान की फायर लैब और डिस्पले सेंटर का भी उद्घाटन किया। इस दौरान उन्हें संस्थान द्वारा निर्मित चावल की भूसी से लकड़ी, पाइन नीडल बोर्ड, कोटा स्टोन टाइल्स, सी एंड डी अपशिफ्ट, फ्लाइ ऐश ईट आदि की तकनीकियों से भी अवगत कराया गया। इस मौके पर मुख्य वैज्ञानिक यादवेद्र पांडे, डा. एके मिनोचा, डा. बी सिंह, डा. आरएस चिमोटे, डा. अतुल कु मार अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

Published in:

Amar Ujala, Page 7

Also Published in : Uttaranchal Deep, Page 7, Rashtriya Sahara, Page 7

Ex-CSIR DG heads panel examining tech for waste, sanitation

CSIR

11th January 2017

R A Mashelkar, former director general of CSIR, has been named as the head of an expert committee tasked to identify and recommend sustainable technologies for solid waste, sanitation, sewerage and water supply management aimed to achieving clean India goals.

Last month, the Union Urban Development Ministry had issued an Office Memorandum that the 'Technology Evaluation Committee for Solid & Liquid Waste and Water Supply' will "identify/recommend appropriate and sustainable technologies in the field of solid waste, sanitation, sewerage and water supply with a proven track record".

The constitution of the committee and naming of Mashelkar, the former DG of Council of Scientific and Industrial Research, as its head, come as the government looks to achieve the Clean India mission goals by 2019.

The key aspects of the Clean India missions include elimination of open defecation, solid waste management and adopting healthy sanitation practices.

The committee is also expected to give impetus to Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation (AMRUT) which focuses on ensuring water supply, and improving sewer network and drainage system in the urban areas.

Mashelkar, National Research Professor and Chairman of National Innovation Foundation, is also presently the President of Global Research Alliance, an organisation that promotes Millennium Development Goals through research and development.

He has been honoured with with Padmashri (1991), Padmabhushan (2000) and Padma Vibhushan (2014).

The committee is mandated to carry out technical assessment of emerging technologies in India, their affordability and scalability on a nationwide basis.

It will also certify emerging technologies for taking up for implementation by Urban Local Bodies (ULBs), besides recommending funding support from the government for taking up few such pilot plants in the country.

Including the member secretary, the committee comprises 13 members under three categories -- national experts (8 members), state experts (2) and Urban Development Ministry experts (3).

Some of the members include Deputy Director General of Centre for Science and Environment (CSE) Bhushan Chandra and former Deputy Municipal Commissioner of Ahmedabad Municipal Corporation P U Asnani (National experts); Goa State Infrastructure Development Corporation Ltd (GSIDC) Managing Director Sanjit Rodrigues and Kerala government Suchitwa Mission Executive Director K Vasuki (state experts).

Members from Ministry include Swachh Bharat Mission Additional Director Saurabh Jain and Deputy Advisor, Central Public Health and Environmental Engineering Organisation (CPHEEO) Rohit Kakkar. CPHEEO Adviser V K Chaurasia is the member secretary of the panel.

The committee will be in place for next three years or till further orders and can be reconstituted depending on specific needs of the sector, reads the memorandum.

Published in:

Business Standard Source: bit.ly/2iJXRqt